License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

1 यूहन्ना 1:1

यूहन्ना को जीवन के वचन के बारे में कैसे जानकारी मिली?

यूहन्ना ने सुना, आँखों से देखा, ध्यान से देखा, और जीवन के वचन को हाथों से छुआ।

1 यूहन्ना 1:2

अनन्त जीवन यूहन्ना के सामने प्रगट होने से पहले कहाँ था?

अनन्त जीवन पिता के साथ था, इससे पहले कि यह यूहन्ना पर प्रगट हुआ।

1 यूहन्ना 1:3

यूहन्ना जो उन्होंने देखा और सुना है उसका समाचार क्यों देते हैं?

यूहन्ना जो उन्होंने देखा और सुना है उसका समाचार, देते हैं ताकि अन्य लोग भी उनके साथ साथ सहभागी हो।

1 यूहन्ना 1:3 (#2)

यूहन्ना की पहले से किसके साथ सहभागिता है?

यूहन्ना की पहले से सहभागिता पिता के साथ, और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है।

1 यूहन्ना 1:5

यूहन्ना अपने सुनने वालों को परमेश्वर का कौन समाचार सुना रहे हैं?

यूहन्ना यह समाचार दे रहे हैं कि परमेश्वर ज्योति है और उसमें कुछ भी अंधकार नहीं।

1 यूहन्ना 1:6

यूहन्ना उस व्यक्ति के बारे में क्या कहते हैं जो यह दावा करता है कि उसकी परमेश्वर के साथ सहभागिता है, और फिर अंधकार में चलें?

यूहन्ना कहते हैं कि ऐसे व्यक्ति झूठ बोलते हैं और सत्य पर नहीं चलते।

1 यूहन्ना 1:7

जो लोग ज्योति में चलते हैं, उन्हें सब पापों से क्या शुद्ध करता है?

यीशु मसीह का लहू उन्हें सब पापों से शुद्ध करता है।

1 यूहन्ना 1:8

यदि हम कहते हैं कि हम में कुछ भी पाप नहीं, तो हम अपने साथ क्या करते हैं?

यदि हम कहें, कि हम में कुछ भी पाप नहीं, तो अपने आपको धोखा देते हैं और हम में सत्य नहीं।

1 यूहन्ना 1:9

जो लोग अपने पापों को मान लेते हैं, उनके लिए परमेश्वर क्या करेंगे?

यदि वे अपने पापों को मान लें, तो वह उनके पापों को क्षमा करने, और उनके सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।

1 यूहन्ना 2:2

यीशु मसीह किनके पापों के लिए प्रायश्चित हैं?

यीशु मसीह सारे जगत के पापों का भी प्रायश्चित हैं।

1 यूहन्ना 2:3

हम कैसे जान सकते हैं कि हमने यीशु मसीह को जान गए हैं?

यदि हम उसकी आज्ञाओं को मानेंगे, तो इससे हम जान लेंगे कि हम उसे जान गए हैं।

1 यूहन्ना 2:4

वह व्यक्ति जो कहता है कि वह परमेश्वर को जानता है, लेकिन परमेश्वर की आज्ञाओं को नहीं मानता, वह कैसा होता है?

वह झूठा कहता है कि वह परमेश्वर को जानता है, और उनकी आज्ञाओं को नहीं मानता।

1 यूहन्ना 2:6

यदि कोई व्यक्ति कहता है कि वे मसीह में बना रहता हैं, तो उन्हें कैसे चलना चाहिए?

उसे चाहिए कि वह स्वयं भी वैसे ही चले जैसे यीशु मसीह चलता था।

1 यूहन्ना 2:9

जो व्यक्ति कहता है कि वह ज्योति में है, लेकिन अपने भाई से बैर रखता है, उसकी आत्मिक स्थिति कैसी होती है?

जो कोई कहता है कि वह ज्योति में है, और अपने भाई से बैर रखता है, वह अब तक अंधकार ही में है।

1 यूहन्ना 2:11

जो कोई अपने भाई से बैर रखता है, उसकी आत्मिक स्थिति कैसी होती है?

जो कोई अपने भाई से बैर रखता है, वह अंधकार में है, और अंधकार में चलता है।

1 यूहन्ना 2:12

परमेश्वर विश्वासियों के पापों को क्यों क्षमा करते हैं?

परमेश्वर अपने नाम के कारण विश्वासियों के पापों को क्षमा करते हैं।

1 यूहन्ना 2:15

एक विश्वासी का संसार की वस्तुओं के प्रति क्या दृष्टिकोण होना चाहिए?

एक विश्वासी का संसार से और संसार की वस्तुओं से प्रेम नहीं करना चाहिए।

1 यूहन्ना 2:16

वे तीन चीजें कौन सी हैं जो पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार ही की ओर से है?

शरीर की अभिलाषा, और आँखों की अभिलाषा और जीविका का घमण्ड पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार ही की ओर से है।

1 यूहन्ना 2:18

हम मसीह का विरोधी के बारे में क्या जानते हैं?

हम जानते हैं कि वह आनेवाला है।

1 यूहन्ना 2:18 (#2)

हम कैसे जान सकते हैं कि यह अन्तिम समय है?

हम जानते हैं कि यह अन्तिम समय है क्योंकि बहुत से मसीह के विरोधी उठे हैं।

1 यूहन्ना 2:22

हम मसीह विरोधी को कैसे पहचान सकते हैं?

मसीह विरोधी पिता का और पुत्र का इन्कार करता है।

1 यूहन्ना 2:23

क्या कोई पुत्र को इन्कार करके भी पिता को पा सकता है?

नहीं, जो कोई पुत्र का इन्कार करता है उसके पास पिता भी नहीं है।

1 यूहन्ना 2:24

विश्वासियों को पुत्र और पिता में बने रहने के लिए क्या करना चाहिए?

उन्हें उसी में बने रहना चाहिए जो उन्होंने आरम्भ से सुना है।

1 यूहन्ना 2:25

विश्वासियों को परमेश्वर द्वारा कौन सा वादा दिया गया है?

परमेश्वर ने विश्वासियों को अनन्त जीवन का प्रतिज्ञा दिया है।

1 यूहन्ना 2:28

यदि हम उसमें बने रहें, तो जब मसीह प्रगट होंगे, तो हमारा रवैया कैसा होगा?

यदि हम उनमें बने रहते हैं, तो हमारे पास साहस होगा और जब मसीह प्रगट होंगे, तो हमें लज्जित नहीं होना पड़ेगा।

1 यूहन्ना 3:1

पिता ने विश्वासियों के प्रति प्रेम कैसे किया है?

पिता ने विश्वासियों से कैसा प्रेम किया है, कि वे परमेश्वर की सन्तान कहलाएँ।

1 यूहन्ना 3:2

जब मसीह प्रगट होंगे, तो विश्वासियों के साथ क्या होगा?

जब मसीह प्रगट होंगे, तो विश्वासियों भी उनके समान होंगे, क्योंकि वे उनको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है।

1 यूहन्ना 3:3

जो कोई जो मसीह में आशा रखता है, अपने जीवन में करता है?

जो कोई उस पर यह आशा रखता है, वह अपने आपको पवित्र करता है।

1 यूहन्ना 3:5

मसीह में क्या नहीं होता है?

मसीह में कोई पाप नहीं है।

1 यूहन्ना 3:6

यदि कोई व्यक्ति लगातार पाप करता रहता है, तो यह उनके परमेश्वर के साथ संबंध के बारे में हमें क्या बताता है?

जो कोई पाप करता है, उसने न तो मसीह को देखा है, और न उनको जाना है।

1 यूहन्ना 3:8

परमेश्वर के पुत्र के प्रगट होने का क्या उद्देश्य था?

परमेश्वर का पुत्र इसलिए प्रगट हुआ, कि शैतान के कामों को नाश करे।

1 यूहन्ना 3:9

जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह पाप करना क्यों जारी नहीं रख सकता है?

जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नहीं करता; क्योंकि उनका बीज उसमें बना रहता है।

1 यूहन्ना 3:10

शैतान के सन्तान कैसे जाने जाते हैं?

जो कोई धार्मिकता नहीं करता, और न वह जो अपने भाई से प्रेम नहीं रखता वह शैतान के सन्तान जाने जाते हैं।

1 यूहन्ना 3:11

हमने आरम्भ से कौन सा समाचार सुना है?

समाचार यह है कि हम एक दूसरे से प्रेम रखें।

1 यूहन्ना 3:12

कैसे कैन ने दिखाया कि वह दुष्ट से था?

कैन ने अपने भाई की हत्या करके दिखाया कि वह दुष्ट से था।

1 यूहन्ना 3:13

यूहन्ना के अनुसार कौन सी बात विश्वासियों को अचम्भा नहीं करनी चाहिए?

यूहन्ना कहते हैं कि विश्वासियों को इस बात पर अचम्भा नहीं होना चाहिए कि संसार उनसे बैर करता है।

1 यूहन्ना 3:14

हम कैसे जानते हैं कि हमने मृत्यु पार होकर जीवन में पहुँचे हैं?

हम जानते हैं, कि हम मृत्यु से पार होकर जीवन में पहुँचे हैं; क्योंकि हम भाइयों से प्रेम रखते हैं।

1 यूहन्ना 3:16

हमने प्रेम को कैसे जाना है?

हमने प्रेम इसी से जाना, कि उसने हमारे लिए अपने प्राण दे दिए।

1 यूहन्ना 3:17

किस बात से पता चलता है कि किसी के पास परमेश्वर का प्रेम नहीं है?

जिस किसी के पास संसार की सम्पत्ति हो और वह अपने भाई को जरूरत में देखकर उस पर तरस न खाना चाहे, तो उसमें परमेश्वर का प्रेम नहीं है।

1 यूहन्ना 3:18

हमारे लिए प्रेम करने के कौन से दो तरीके अपर्याप्त हैं?

यह हमारे लिए केवल वचन और जीभ से प्रेम करना पर्याप्त नहीं है।

1 यूहन्ना 3:18 (#2)

प्रेम करने के दो तरीके कौन से हैं?

हमें काम और सत्य में प्रेम करना चाहिए।

1 यूहन्ना 3:21

यदि हमारा मन हमें दोष न दे, तो हमारे पास क्या होता है?

यदि हमारा मन हमें दोष न दे, तो हमें परमेश्वर के सामने साहस होता है।

1 यूहन्ना 3:23

परमेश्वर ने हमें कौन-सी आज्ञा दी है?

परमेश्वर की आज्ञा है कि हम उनके पुत्र यीशु मसीह के नाम पर विश्वास करें और आपस में प्रेम रखें।

1 यूहन्ना 3:24

विश्वासियों को कैसे पता चलता है कि परमेश्वर उनमें बना रहता है?

परमेश्वर ने विश्वासियों को पवित्र आत्मा दी है ताकि वे जान सकें कि परमेश्वर उनमें बना रहता है।

1 यूहन्ना 4:1

विश्वासियों को हर एक आत्मा पर विश्वास क्यों नहीं करना चाहिए?

उन्हें हर एक आत्मा पर विश्वास नहीं करना चाहिए क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता जगत में निकल खड़े हुए हैं।

1 यूहन्ना 4:2

आप परमेश्वर की आत्मा को कैसे पहचान सकते हैं?

जो कोई आत्मा मान लेती है, कि यीशु मसीह शरीर में होकर आया है वह परमेश्वर की ओर से है।

1 यूहन्ना 4:3

कौन सी आत्मा यह नहीं मानती है कि यीशु मसीह शरीर में आए हैं?

मसीह के विरोधी की आत्मा यह नहीं मानती कि यीशु मसीह शरीर में आए हैं।

1 यूहन्ना 4:4

विश्वासी उन आत्माओं पर कैसे जय प्राप्त कर सकते हैं जो परमेश्वर से नहीं हैं?

हम उन पर जय पा सकते हैं क्योंकि हमारे अन्दर की आत्मा संसार की आत्मा से बड़ा है।

1 यूहन्ना 4:7

विश्वासियों को आपस में प्रेम क्यों करना चाहिए?

विश्वासियों को आपस में प्रेम इसलिए करना चाहिए क्योंकि प्रेम परमेश्वर से है, और जो कोई प्रेम करता है, वह परमेश्वर से जन्मा है।

1 यूहन्ना 4:8

जो प्रेम नहीं रखता, वह यह कैसे दिखाता है कि वह परमेश्वर को नहीं जानता?

जो प्रेम नहीं रखता वह परमेश्वर को नहीं जानता है, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है।

1 यूहन्ना 4:9

परमेश्वर ने हमारे प्रति अपना प्रेम कैसे प्रगट किया?

परमेश्वर ने हमारे प्रति अपना प्रेम प्रगट किया जब उन्होंने अपने एकलौते पुत्र को जगत में भेजा।

1 यूहन्ना 4:9 (#2)

पिता ने अपने पुत्र को किस उद्देश्य से भेजा था?

पिता ने अपने पुत्र को भेजा ताकि हम उसके द्वारा जीवन पाएँ।

1 यूहन्ना 4:15

यदि परमेश्वर किसी व्यक्ति में निवास बने रहते हैं और वह व्यक्ति परमेश्वर में बना रहता है, तो वह व्यक्ति यीशु के बारे में क्या मान लेता है?

जो कोई परमेश्वर में बना रहता है वह यह मान लेता है, कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।

1 यूहन्ना 4:17

न्याय के दिन परमेश्वर के प्रेम के कारण हमारे अंदर क्या होगा?

परमेश्वर का प्रेम हमें न्याय के दिन साहस प्रदान करेगा।

1 यूहन्ना 4:19

हम प्रेम कैसे करते हैं?

हम इसलिए प्रेम करते हैं, क्योंकि पहले उसने हम से प्रेम किया।

1 यूहन्ना 4:20

यदि कोई अपने भाई से बैर रखे, तो उसका परमेश्वर के साथ कैसा संबंध हो सकता है?

यदि कोई व्यक्ति अपने भाई से बैर रखे, वह परमेश्वर से भी प्रेम नहीं रख सकता।

1 यूहन्ना 4:21

जो परमेश्वर से प्रेम रखता है, उसे अपने भाई के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?

जो कोई अपने परमेश्वर से प्रेम रखता है, वह अपने भाई से भी प्रेम रखे।

1 यूहन्ना 5:3

हम कैसे प्रदर्शित करते हैं कि हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं?

जब हम परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते हैं, तो हम प्रदर्शित करते हैं कि हम उससे प्रेम करते हैं।

1 यूहन्ना 5:4

वह विजय क्या है जिससे संसार पर जय प्राप्त होती है?

विश्वास वह विजय है जिससे संसार पर जय प्राप्त होती है।

1 यूहन्ना 5:6

यीशु मसीह किन दो वस्तुओं के द्वारा आए?

यीशु मसीह पानी और लहू के द्वारा आए।

1 यूहन्ना 5:8

यीशु मसीह के बारे में कौन-कौन सी तीन बातें गवाही देती हैं?

आत्मा, पानी, और लहू सभी यीशु मसीह के विषय में गवाही देते हैं।

1 यूहन्ना 5:10

यदि कोई परमेश्वर के पुत्र के गवाही पर विश्वास करता है, तो वह परमेश्वर को क्या समझता है?

जो कोई परमेश्वर के पुत्र के बारे में उनकी गवाही पर विश्वास नहीं करता, वह परमेश्वर को झूठा ठहराता है।

1 यूहन्ना 5:11

परमेश्वर ने हमें अपने पुत्र में क्या प्रदान दिया है?

परमेश्वर ने अपने पुत्र में हमें अनन्त जीवन दिया है।

1 यूहन्ना 5:14

विश्वासियों को परमेश्वर के सामने क्या साहस होता है?

विश्वासियों का यह साहस होता है कि यदि वे उनकी इच्छा के अनुसार कुछ माँगते हैं, तो हमारी सुनते हैं।

1 यूहन्ना 5:16

जब एक विश्वासी अपने भाई को पाप करते देखे, जिसका फल मृत्यु न हो, तो उसे क्या करना चाहिए?

जब एक विश्वासी अपने भाई को पाप करते देखे, जिसका फल मृत्यु न हो, तो उसे विनती करनी चाहिए कि परमेश्वर उनके भाई को जीवन प्रदान करें।

1 यूहन्ना 5:17

सब प्रकार का अधर्म क्या है?

सब प्रकार का अधर्म पाप है।

1 यूहन्ना 5:19

सारा संसार किसके वश में पड़ा है?

सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है।

1 यूहन्ना 5:20

परमेश्वर के पुत्र द्वारा हमें दी गई समझ का फल क्या है?

परमेश्वर के पुत्र ने हमें जो समझ दी है, उसके कारण हम उन्हें पहचानते हैं जो सत्य है।

1 यूहन्ना 5:21

विश्वासियों को स्वयं को किन चीजों से बचाए रखना चाहिए?

विश्वासियों को अपने आपको मूरतों से बचाए रखना चाहिए।